दोस्ती कर फिरौती के लिये कराया अपहरण, टीम ऑपरेशन वैभव ने बचाया

- फिरौती के लिए हुआ था छात्र का अपहरण
-कमिश्नरेट पुलिस ने बांदा से अपहृत छात्र को कराया मुक्त
-डीसीपी वेस्ट ने ऑपरेशन वैभव के लिए गठित की थी टीमें
-पुलिस ने दो अपहरणकर्ता गिरफ्तार किये, 4 की तलाश
-कुछ दिनों पहले किशोर के पिता ने बेंची थी जमीन
-पश्चिम जोन और क्राइम ब्रांच की टीम को मिली सफलता

उदय भान सिंह

राज किशोर

कानपुर। बेची गई जमीन का पैसा फिरौती के रूप में वसूलने के लिए किशोर के अपहरण की साजिश रच डाली गई। सूचना मिलते ही सक्रिय हुई कमिश्नरेट कानपुर पुलिस ने अपराधियों के मंसूबे विफल कर दिए। डीसीपी वेस्ट द्वारा गठित "ऑपरेशन वैभव" पुलिस टीम ने सूचना के कुछ घन्टे बाद ही किशोर को अपहर्ताओं के चंगुल से सकुशल मुक्त करा लिया। पुलिस ने दो अपहर्ताओं को भी दबोच लिया है, जबकि 4 की तलाश जारी है। पुलिस आयुक्त ने पूरी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

सचेंडी थाना क्षेत्र में कला का पुरवा निवासी दीपेंद्र सिंह का 15 वर्षीय बेटा वैभव उर्फ विभव सिंह चंदेल शुक्रवार की शाम को गंगापुर थाना पनकी क्षेत्र में ट्यूशन पढ़ने आया था। शाम को सात बजे तक जब वह ट्यूशन पढ़कर घर नहीं पहुंचा। तो परिवार वालों को चिंता हुई परिवार वाले रात भर उसे तलाशते रहे। लेकिन उसका पता नहीं चला। सुबह होने पर स्वजनों ने थाना पनकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके इस मामले में जांच शुरू की। डीसीपी वेस्ट बीबीजीटीएस मूर्ति ने आपरेशन वैभव नाम से टीम गठित कर दी। टीम को सुबह करीब 9:00 बजे पुलिस को विभव की साइकिल पनकी क्षेत्र में बंधुवा कला के पास एक गुमटी के बाहर खड़ी मिली। इसके बाद पुलिस ने लोगों से पूछताछ की। इस पर पता चला कि एक सफेद रंग की स्कार्पियो कार यूपी 90 एल 9721 से कुछ लोग आए थे। उनमें से ही एक ने यहां साइकिल खड़ी कर दी थी। उसने कहा था कि वह कुछ देर में लौट कर आ रहा है। बाद में साइकिल ले जाएगा। स्थानीय लोगों को कुछ शक हुआ तो उन्होने स्कॉर्पियो का नंबर नोट कर लिया। पुलिस के लिए यह सूचना पर्याप्त थी। आनन फानन में गाड़ी मालिक का पता लगाया गया। क्राइम ब्रांच व पश्चिम जोन की सर्विलांश टीम ने लोगों की सूचना के आधार पर वैभव और गाड़ी को बाँदी से बरामद कर लिया।

बाँदा के जंगल में रखा था

पुलिस को वैभव की लोकेशन बांदा के आसपास मिली। तुरन्त पश्चिम जोन व क्राइम ब्रांच की टीम बांदा के लिए रवाना की गई। कमिश्नरेट पुलिस की टीमों ने बांदा में छापा मारकर वैभव को मुक्त करा लिया। अपहरणकर्ताओं ने उसके साथ काफी मारपीट की और नशे की दवा देकर बेहोश रख रहे थे। उसके हाथ पैर बांधकर जंगल में रखा था।

बेची थी जमीन

दीपेंद्र सिंह ने हाल ही में अपनी जमीन बेची थी। इसकी जानकारी क्षेत्रीय लोगों को थी। इस पर कला का पुरवा में रहने वाले 20 वर्षीय आकाश सिंह सेंगर ने वैभव से दोस्ती कर ली। उसकी कोचिंग में भी साथ पढ़ने लगा। इस तरह से उसने वैभव को विस्वास में लिया और अपने बाँदा में रहने वाले रिश्तदारों को लोकेशन दी। इस पूरी योजना के तहत वैभव का गुरुवार 21 तारीख की शाम को कोचिंग से लौटते वक्त अपहरण कर लिया गया।

यह हुए गिरफ्तार

पुलिस ने ग्राम जारी थाना कोतवाली जनपद बाँदा निवासी राज बहादुर सिंह चंदेल व उदय भान सिंह को गिरफतार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में प्रयुक्त स्कार्पियो, दो तमंचे और दो मोटरसाइकिल बरामद की है।

इनकी है तलाश

पुलिस वारदात में शामिल विकास सिंह, आकाश सिंह निवासी जारी जनपद बाँदा, आर्यन निवासी जसपुरा और आकाश सिंह सेंगर निवासी कला का पुरवा थाना सचेंडी जनपद कानपुर आउटर की तलाश कर रही है।

चित्रकूट के बीहड़ ले जाने की थी तैयारी

सूचना के तुरंत बाद ही सक्रिय हुई कमिश्नरेट पुलिस की क्राइम ब्रांच वाह पश्चिम जोन की टीमों ने वैभव को बरामद कर लिया। अगर कुछ देर और होती तो अपहरणकर्ता वैभव को चित्रकूट के बीहड़ में ले जाने की तैयारी में थे। चित्रकूट ले जाकर अपहरणकर्ता फिरौती की मांग करते। परिवारवालों को परेशान करने के लिए अपहरणकर्ताओं ने वैभव का फोन भी स्विच ऑफ कर दिया था। ताकि वह परेशान हो और जब फिरौती की मांग की जाए तो वह तुरंत ही दे दें।